Seventeenth Loksabha

>

Title: The Motion for consideration of the Airports Economic Regulatory Authority of India (Amendment) Bill, 2021 (Motion adopted & Bill Passed).

माननीय सभापति : माननीय मंत्री जी ।

नागर विमानन मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:

> "कि भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 2008 का और संशोधन करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए । "

माननीय सभापति : क्या आप कुछ कहना चाहते हैं ।

… (व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया : सभापति जी, भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 2008 का संशोधन विधेयक आपके और सदन के समक्ष रखा गया है । यह बहुत महत्वपूर्ण विधेयक है और बहुत महत्वपूर्ण संशोधन भी है । हमारे देश में वर्तमान समय में आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह निर्णय ले लिया गया था कि आने वाले भविष्य में हमारे देश की जनता को सुलभ यात्रा प्राप्त कराने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है । … (व्यवधान) माननीय प्रधान मंत्री जी ने ये निर्देश दिए थे कि देश में 130 करोड़ जनता में से हमें यह निश्चित करना होगा कि जो लोग वर्तमान में हवाई चप्पल पहनते हैं, वे हवाई जहाज में सफर कर पाएं । जो हवाई सेवा सदैव सदियों से, 70 सालों से अमीरों के लिए रखी जाती थी, बड़े-बड़े लोगों के लिए रखी जाती थी, वह हवाई सेवा हमारे प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ही नेतृत्व में आम जनता के लिए, गरीब के लिए, किसान के लिए देश में उपलब्ध की जा रही है ।… (व्यवधान)

यह उनका संकल्प है कि भारत आगे बढ़ेगा । जैसा कि महात्मा गांधी जी ने कहा था कि भारत का असली नागरिक गांवों में रहता है ।... (व्यवधान) हमारे प्रधान मंत्री जी का भी वही संकल्प है कि जो सुविधाएं शहरी व्यक्ति को मिलती हैं, वही सुविधाएं हमारे ग्रामीण अंचल के निवासियों को भी मिलें । ... (व्यवधान) उनकी सोच और विचारधारा है-'सबका साथ और सबका विकास ।' हवाई सेवा उसी सोच और विचारधारा के साथ जुड़ी हुई है । यात्रा का प्रजातंत्रीकरण, यात्रा का लोकतंत्रीकरण अगर किसी सरकार के समय में हुआ है तो वह आदरणीय नरेंद्र मोदी जी की सरकार में हुआ है । ... (व्यवधान) ये सारी चीजें एक ही सोच और विचारधारा के साथ जुड़ी हुई हैं । वह सोच और विचारधारा एक आत्मनिर्भर भारत की है । ... (व्यवधान) भारत सक्षम बने तो भारतीयों के लिए बने और जब भारत भारतीयों के लिए सक्षम बनेगा, जब भारत आत्मनिर्भर बनेगा तो विश्व पटल पर उभरने की पूरी क्षमता हमारा भारत सदैव रखेगा । ... (व्यवधान) इसी सोच के साथ जहां एक तरफ इस देश की आम जनता के लिए सुविधा मुहैया कराना है वहीं दूसरी तरफ सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास तथा तीसरी तरफ एक आत्मनिर्भर भारत की सोच और विचारधारा पैदा करनी है ।... (व्यवधान)

सभापति महोदय, इस चुनौती के समय में जब कोरोना महामारी है, उस महामारी में भी संवाद के बदले सदन में नारेबाजी हो रही है । ... (व्यवधान) इस माहौल में हमारी सरकार प्रतिबद्ध है कि नारे जितने भी लगें, लेकिन हम इस देश के लिए संकल्पित हैं, हम किसानों के लिए संकल्पित हैं, हम गरीब के लिए संकल्पित हैं और इस देश के विकास के लिए संकल्पित हैं । कोरोना के इस वातावरण में ये संवाद और चर्चा नहीं करना चाहते हैं । ... (व्यवधान) कोरोना के वातावरण में हमारे प्रधान मंत्री जी और हमारी सरकार ने यह निश्चय किया है कि चुनौतियों को भी हम अवसर में बदलेंगे और गरीबों, किसानों तथा इस देश की आम जनता तक हर सुविधा पहुंचाने की कोशिश करेंगे ।

सभापति महोदय, मैं एक-दो उदाहरण आपको देना चाहता हूं कि इस 'उड़ान योजना' का लाभ कैसे हमारे देश की आम जनता को मिला था । ... (व्यवधान) बिहार में एक शहर दरभंगा है । वहां स्वतंत्रता के समय एक हवाई

पट्टी बनी थी और एक निजी एयरलाइन दरभंगा एविएशन वर्ष 1950 से वर्ष 1962 तक वहां पर चलती थी । उसके बाद दरभंगा नागर विमानन नक्शे से मिट गया । वहां इसकी कोई सुविधा नहीं मिलती थी । ... (व्यवधान) सबसे पास वाला एयरपोर्ट पटना था जो कि 5 घंटे की दूरी पर था । 9 नवम्बर, 2020 को दिल्ली से दरभंगा की पहली फ्लाइट पहुंची । केवल दरभंगा के वासियों के लिए ही नहीं, बल्कि उसके आसपास के 14 जिलों के वासियों में हर्षोल्लास का एक वातावरण पैदा हुआ । ... (व्यवधान) जिस दरभंगा में एक फ्लाइट भी नहीं आती थी, जिस दरभंगा को सिविल एविएशन के नक्शे से उजाड़ दिया गया था, वहां पिछले छह महीने में दरभंगा से पूरे देश के इर्दगिर्द प्लेन के लगभग 110 मूवमेंट्स हुए हैं । ... (व्यवधान) दरभंगा के डेढ़ लाख यात्रियों को नवम्बर, 2020 से मार्च, 2021 तक देश के कोने-कोने में इस 'उड़ान योजना' ने पहुंचाया है । ऐसी कहानियां दुर्लभ हैं । ... (व्यवधान) बेलगांव-कर्नाटक जो अध्ययन का क्षेत्र है । बेलगांव-कर्नाटक, जो जुड़ा हुआ नहीं था, वहां से आज 170 एयरक्राफ्ट मूवमेंट्स हैं । ढाई लाख यात्रियों का आवागमन हुआ है । ... (व्यवधान) ओडिशा के झारसुगुड़ा क्षेत्र में, द्वितीय विश्व युद्ध में, वहाँ एक हवाई पट्टी लगी थी, जो टूटी हुई थी ।... (व्यवधान) वह व्यक्ति ओडिशा के बार्डर पर रहता है, छत्तीसगढ़ के बार्डर पर रहता है ।... (व्यवधान) भुवनेश्वर 325 किलोमीटर दूर है ।... (व्यवधान) उसके सबसे पास वाला एयरपोर्ट ओडिशा में नहीं, झारखंड, राँची में उपस्थित है ।... (व्यवधान) वीर साई एयरपोर्ट मार्च, 2019 में स्थापित किया गया । ... (व्यवधान) आज यह 9 बड़े शहरों से जुड़ गया है ।... (व्यवधान) दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, रायपुर, पटना, भुवनेश्वर शहरों से जुड़ गया है ।... (व्यवधान) दो लाख से ज्यादा यात्रियों ने वहां से सुलभ यात्रा की है ।... (व्यवधान) वहां से 140 फ्लाइट्स कनेक्टेड हैं ।... (व्यवधान) यह कहानी है प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की ।... (व्यवधान) प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में यह भारत की कहानी है, आत्मनिर्भर भारत की कहानी है ।... (व्यवधान) यही कहानी भारत के कोने-कोने की है और ऐसी अनेक कहानियाँ हैं । ... (व्यवधान) रुपसी एयरपोर्ट असम में, किशनगढ़ एयरपोर्ट राजस्थान में, जगदलपुर एयरपोर्ट छत्तीसगढ़ में, आदमपुर एयरपोर्ट पंजाब में, हुबली एयरपोर्ट कर्नाटक में और ऐसी अनेक

कहानियाँ हैं ।... (व्यवधान) 'उड़ान' का लक्ष्य है कि हम लोग टियर-2 और टियर-3 शहरों को जोड़कर रखेंगे, उत्तर-पूर्वी भारत को जोड़कर रखेंगे, हमारे पहाड़ी राज्यों को जोड़कर रखेंगे, हमारे द्वीपों को जोड़कर रखेंगे । ... (व्यवधान) इसके लिए हमने पांच क्षेत्र बनाये हैं, उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और उत्तर-पूर्व का क्षेत्र । ... (व्यवधान) बैठ जाइए । ... (व्यवधान) हर एक रीजन को हमने अपना नेतृत्व करने की क्षमता दी है । ... (व्यवधान)

महोदय, अब इस क्लबिंग के आधार पर बहुत सारे लाभ इस क्षेत्र को मिलेंगे ।... (व्यवधान) जहाँ एक तरफ एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के द्वारा छोटे-छोटे शहरों को एक नया महत्व दिया जाएगा ।... (व्यवधान) शॉर्ट क्यों रखें? ... (व्यवधान) उनको अपना काम करने दो, हम अपना काम करेंगे ।... (व्यवधान) पूरे देश को सुनना चाहिए कि प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में क्या किया जा रहा है ।... (व्यवधान) पूरे देश को इनका व्यवहार भी सुनना चाहिए कि जहाँ आम आदमी के लिए कार्य किया जा रहा है, ये क्या कर रहे हैं?... (व्यवधान) इनकी सुनने की क्षमता नहीं है ।... (व्यवधान) ये सुनाने की ही क्षमता रखना चाहते हैं ।... (व्यवधान) अगर आपको सुनाना है तो प्रजातंत्र में आपको सुनना भी होगा ।... (व्यवधान)

महोदय, मैं कह रहा था कि यह जो क्लबिंग की प्रक्रिया है, इसके आधार पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण छोटे-छोटे शहरों पर अपनी प्राथमिकता दे सकता है ।... (व्यवधान) नये एयरपोर्ट्स का सृजन होगा ।... (व्यवधान) जब नवोदय हवाई अड्डों का सृजन होगा, जो दूसरे हवाई अड्डे हैं, वहाँ निजी क्षेत्र अपनी भूमिका निभाये ताकि दोनों के बीच में एक सहयोग हो, एक संवाद हो और एक भूमिका दोनों, निजी और सरकारी क्षेत्र तय कर पाएं ।... (व्यवधान) इसी के साथ हमारी सोच और विचारधारा है कि नए हवाई पट्टे बनें, छोटे एयरपोर्ट्स की क्रॉस सब्सिडी हो ।... (व्यवधान) इसके आधार पर जो आज भारत में 128 एयरपोर्ट्स, हवाई अड्डे हैं, जो आज भारत में 713 हवाई प्लेन्स हैं, हमारी सोच और विचारधारा है कि आने वाले समय में प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में भारत उड्डयन क्षेत्र में पूरे विश्व का नेतृत्व करे ।... (व्यवधान)

महोदय, मेरी आपसे अपील है, मेरी सभी सांसद भाई-बहनों से अपील है कि यह बहुत महत्वपूर्ण विधेयक है ।... (व्यवधान) इसे सर्वसम्मति से पारित किया जाए ताकि देश का एक-एक इंसान इस हवाई सेवा का लाभ ले पाए ।... (व्यवधान) इन्हीं शब्दों के साथ आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।... (व्यवधान)

माननीय सभापति: मंत्री जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : मैं सभी सम्माननीय सदस्यों से निवेदन करता हूँ कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण विधेयक है ।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : एक गरीब व्यक्ति, जो हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति है, उसके हवाई मुसाफिरी करने के लिए यह विधेयक लाया गया है ।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : प्रश्न यह है :

"कि भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 2008 का और संशोधन करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति: अब सभा विधेयक पर खंडवार विचार करेगी ।

प्रश्न यह है:

"कि खंड 2 विधेयक का अंग बने ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड 2 विधेयक में जोड़ दिया गया ।

खंड 1, अधिनियमन सूत्र और विधेयक का पूरा नाम विधेयक में जोड़ दिए गए ।

… (व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया: सर, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि विधेयक पारित किया जाए ।"

माननीय सभापति : प्रश्न यह है:

"कि विधेयक पारित किया जाए ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

… (व्यवधान)